थॉमस हॉब्स (Thomas Hobbes) और जॉन लॉक (John Locke) : सामाजिक अनुबंध सिद्धांत (Social Contract Theory)

परिचय (Introduction):

थॉमस हॉब्स (Thomas Hobbes) और जॉन लॉक (John Locke) 17वीं शताब्दी के दो प्रमुख अंग्रेजी दार्शनिक थे। दोनों ही सामाजिक अनुबंध सिद्धांत (Social Contract Theory) के प्रतिपादक थे, लेकिन उनके विचारों में महत्वपूर्ण भिन्नताएं हैं। यह नोट्स उनके विचारों के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हैं।

थॉमस हॉब्स (Thomas Hobbes):

* प्राकृतिक अवस्था (State of Nature): हॉब्स के अनुसार, प्राकृतिक अवस्था एक ऐसी स्थिति थी जहाँ कोई सरकार नहीं थी और हर व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए संघर्ष कर रहा था। यह "सबके विरुद्ध सबकी लड़ाई" (War of all against all) की स्थिति थी, जहाँ जीवन "एकाकी, निर्धन, घृणित, पाशविक और अल्प" था।
* सामाजिक अनुबंध (Social Contract): इस भयावह स्थिति से बचने के लिए, व्यक्तियों ने आपस में समझौता करके अपनी सारी शक्ति एक सार्वभौम शासक (Sovereign) को सौंप दी। यह शासक संप्रभु और निरंकुश होता है, और उसका मुख्य कार्य शांति और व्यवस्था बनाए रखना होता है।
* संप्रभुता (Sovereignty): हॉब्स का संप्रभु निरंकुश होता है। उसकी आज्ञा का पालन करना प्रजा का परम कर्तव्य है, चाहे वह उचित हो या अनुचित। संप्रभुता अविभाज्य और असीमित होती है।
* कानून (Law): हॉब्स के अनुसार, कानून संप्रभु की इच्छा है। जो संप्रभु आज्ञा देता है, वही कानून है। न्याय और अन्याय की कोई निरपेक्ष धारणा नहीं है।
* सरकार का स्वरूप (Form of Government): हॉब्स राजतंत्र (Monarchy) को सरकार का सबसे अच्छा रूप मानते हैं, क्योंकि उनके अनुसार, एक व्यक्ति के हाथ में शक्ति केंद्रित होने से निर्णय लेने में आसानी होती है और स्थिरता बनी रहती है।

जॉन लॉक (John Locke):

* प्राकृतिक अवस्था (State of Nature): लॉक की प्राकृतिक अवस्था हॉब्स की तुलना में अधिक शांतिपूर्ण थी। उनके अनुसार, प्राकृतिक अवस्था में प्राकृतिक कानून (Natural Law) लागू था, जिसके अनुसार सभी व्यक्तियों के पास जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के अधिकार थे। लेकिन इस अवस्था में इन अधिकारों की रक्षा करने के लिए कोई सरकार नहीं थी।
* सामाजिक अनुबंध (Social Contract): लॉक के अनुसार, व्यक्तियों ने अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार बनाई। यह समझौता शासक और शासित के बीच होता है, और दोनों के कुछ दायित्व होते हैं। यदि शासक लोगों के अधिकारों का हनन करता है, तो जनता को उसे बदलने का अधिकार है।
* प्राकृतिक अधिकार (Natural Rights): लॉक ने जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के अधिकारों को प्राकृतिक अधिकार माना, जो सरकार द्वारा छीने नहीं जा सकते। इन अधिकारों की रक्षा करना सरकार का प्रमुख कर्तव्य है।
* सीमित सरकार (Limited Government): लॉक सीमित सरकार के पक्षधर थे। उनके अनुसार, सरकार की शक्ति सीमित होनी चाहिए और उसे जनता के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने शक्ति के पृथक्करण (Separation of Powers) के सिद्धांत का भी समर्थन किया।
* सरकार का स्वरूप (Form of Government): लॉक ने संवैधानिक राजतंत्र (Constitutional Monarchy) को सरकार का सबसे अच्छा रूप माना, जिसमें राजा की शक्ति संविधान द्वारा सीमित होती है।

तुलनात्मक विश्लेषण (Comparative Analysis):

विशेषता	हॉब्स	लॉक
प्राकृतिक अवस्था	सबके विरुद्ध सबकी लड़ाई	प्राकृतिक कानून द्वारा शासित, अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण
सामाजिक अनुबंध	संप्रभु को सारी शक्ति	शासक और शासित के बीच समझौता
संप्रभुता	निरंकुश और अविभाज्य	सीमित और जनता के प्रति उत्तरदायी
प्राकृतिक अधिकार	कोई प्राकृतिक अधिकार नहीं	जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के अधिकार
सरकार का स्वरूप	राजतंत्र (Monarchy)	संवैधानिक राजतंत्र (Constitutional Monarchy)

निष्कर्ष (Conclusion):

हॉब्स और लॉक दोनों ही सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के महत्वपूर्ण विचारक थे, लेकिन उनके विचारों में महत्वपूर्ण अंतर थे। हॉब्स एक शक्तिशाली और निरंकुश राज्य के पक्षधर थे, जबकि लॉक सीमित सरकार और

व्यक्तिगत अधिकारों के प्रबल समर्थक थे। उनके विचारों ने पश्चिमी राजनीतिक चिंतन को बहुत प्रभावित किया।